

**अमियरस** पुं. (तत्.) 1. अमृतरस 2. योग. हठयोग की विशिष्ट प्रक्रिया से प्राप्त दिव्य रस।

**अमिया** स्त्री. (तद्.) छोटा कच्चा आम।

**अमिल** वि. (तद्.) 1. न मिलने योग्य, अप्राप्य 2. बेमेल, असंबद्ध।

**अमिलता** स्त्री. (तद्.) 1. मेल का अभाव, असंगत 2. अम्लता, खटास।

**अमिलताई** स्त्री. (तद्.) दे. अमिलता।

**अमिलित** वि. (तद्.) जो मिला हुआ न हो, अलग।

**अमिश्र** वि. (तत्.) 1. जो मिश्रित न हो, मिलावटरहित 2. शुद्ध

**अमिश्रण** पुं. (तद्.) मिलावट का अभाव, शुद्धता।

**अमिश्रणीय** वि. (तत्.) (पदार्थ विशेषकर द्रव) जो एक दूसरे से घुल-मिल न सके, जैसे तेल और पानी विलो. मिश्रणीय।

**अमिश्रित** वि. (तत्.) 1. न मिला हुआ, जो मिलाया न गया हो 2. शुद्ध, जिसमें मिलावट न की गई हो।

**अमिष** पुं. (तत्.) 1. मिष अर्थात् छल का अभाव, बहाना-रहित स्थिति 2. अम अर्थात् सुखभोग, सांसारिक सुख; मांस।

**अमिषभोजी** वि. (तत्.) [आमिष+भोजी] माँसाहारी, माँस खाने वाला।

**अमी** पुं. (तद्.) दे. अमिय, अमृत वि. रोगी।

**अमीकार** पुं. (तद्.) अमृतमय किरण वाला, चन्द्रमा।

**अमीत** पुं. (तद्.) जो मित्र न हो, शत्रु, दुश्मन।

**अमीन** पुं. (अर.) सरकारी कर्मचारी जो जमीन की नाप-जोख, बँटवारा, तहकीकात आदि करता है।

**अमीबता** स्त्री. (अं.) आयु. ऐन्टेमीबा हिस्सेलिटिका नामक अमीबा से जठरांत्र के हो जाने का रोग। amoebiasis

**अमीबा** पुं. (अं.) एक एककोशीय अति सूक्ष्म अनावृत जीवद्रव्य, जिसके आकार में परिवर्तन होता रहता है।

**अमीबाणु** पुं. (अं.+तत्.) अनिश्चित और परिवर्तनशील आकृति की कोशिका 2. रोग के अणु, रोगाणु।

**अमीबानाशी** वि. (अं.+तत्.) अमीबा को नाश करने वाला।

**अमीबाभ** वि. (अं.+तत्.) 1. आयु. एककोशीय 2. अमीबा जैसा।

**अमीबीय** वि. (अं.+तद्.) 1. जो अमीबा से संबंधित हो 2. दे. अमीबाभ।

**अमीमांसा** स्त्री. (तत्.) 1. तत्व विवेचन का अभाव 2. दोषपूर्ण विवेचना।

**अमीर** पुं. (अर.) 1. धनाढ्य, दौलतमंद, संपन्न 2. सरदार 3. अरब देशों के राजा की उपाधि 4. अत्यंत सहृदय (व्यक्ति)।

**अमीर-उमरा** पुं. (फा.) इति. राजदरबार से जुड़े हुए कुलीन वर्ग के व्यक्ति।

**अमीरज़ादा** पुं. (अर.) अमीर का पुत्र; राजकुमार।

**अमीरजादी** स्त्री. (अर.) अमीर का पुत्री।

**अमीराना** वि. (अर.) अमीर के ढंग का, जिससे अमीरी प्रकट हो प्रयो. वह हमेशा अमीराना अंदाज में रहता है।

**अमीरी** स्त्री. (अं.) अमीर या धनी होने का भाव, धनाढ्यता, दौलतमंदी वि. अमीर के योग्य, जैसे- अमीरी ठाठबाट।

**अमुक** वि. (तत्.) जिस व्यक्ति, कार्य या बात का नाम न लेना हो उसके लिए प्रयुक्त संकेत शब्द, फलॉ, ऐसा प्रयो. हम यह तय कर लें कि अमुक कार्य अमुक व्यक्ति ही करेगा।

**अमुक्त** वि. (तत्.) जो मुक्त या बंधन-रहित न हो, अस्वतंत्र, जिसे छुटकारा न मिला हो, जो फँसा हुआ हो।

**अमुक्तहस्त** वि. (तत्.) 1. जो अधिक खर्चीला न हो 2. अल्पव्ययी, मितव्ययी 3. कृपण।

**अमुक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. मुक्ति न मिलने की स्थिति या भाव, बंधनग्रस्तता; अस्वतंत्र 2. मोक्ष की अप्राप्ति।